एनआईओएस

प्रगति के पथ पर

प्रोफाइल

2017

विद्याधनम् सर्वधन प्रधानम्

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

(मा.सं.वि.मं., भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्था)

दृष्टि

''गुणवत्तापूर्ण विद्यालयी शिक्षा तथा कौशल विकास हेतु सार्वभौमिक, चिर स्थायी और समावेशी शिक्षा'' प्रदान करना।

लक्ष्य

मुक्त तथा दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) पद्धति द्वारा पूर्व-स्नातक स्तर तक प्रासंगिक, सतत और सर्वांगीण शिक्षा प्रदान करना।

विद्यालयी शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण में योगदान करना।

समता एवं सामाजिक न्याय के लिए वरीयता प्राप्त लक्ष्य समूहों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना।

एनआईओएस : लोगों तक पहुँचता है

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से गुणात्मक अधिगम उपलब्ध कराने की ओर निरंतर अग्रसर है – यह एक ऐसा तथ्य है जिसकी पुष्टि कोल द्वारा अपने 8वें पैन कॉमनवेल्थ फोरम में दूर शिक्षा में 2016 के लिए इसे उत्कृष्ट संस्थान के रूप में पुरस्कृत करके की गई है।

शिक्षा में मानव विकास तथा जीवन की गुणवत्ता होती है। राष्ट्र के विकास के लिए सभी लोगों की गुणात्मक शिक्षा और जीवन यापन के लिए कौशल अर्जित करने तक पहुँच होना आवश्यक है। एनआईओएस के 26 वर्षों के इतिहास में इसने लाखों शिक्षार्थियों को स्कूली शिक्षा पूरी कराने में सक्षम किया है, जो अन्यथा एक सपना ही रह जाता।

एनआईओएस ने वर्ष 2016 में विभिन्न लक्षित समूहों को शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए बहुत पहल की हैं। हमारा मुख्य ध्यान दिव्यांगों, महिलाओं, सैनिकों, बुनकरों, कारीगरों, आईटीआई विद्यार्थियों को सक्षम बनाने पर रहा है।

एनआईओएस स्कूल स्तर पर मैसिव ओपन ऑन लाईन कोर्सेज (मूक्स) भी तैयार कर रहा है जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति के लिए गुणात्मक स्कूली शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

एनआईओएस ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल कर ली हैं लेकिन एनआईओएस इन उपलब्धियों पर ही रुक नहीं गया है बल्कि यह शिक्षा वंचितों तक पहुँचने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

चन्द्र भूषण शर्मा

आचार्य चंद्र भूषण शर्मा
अध्यक्ष, एनआईओएस

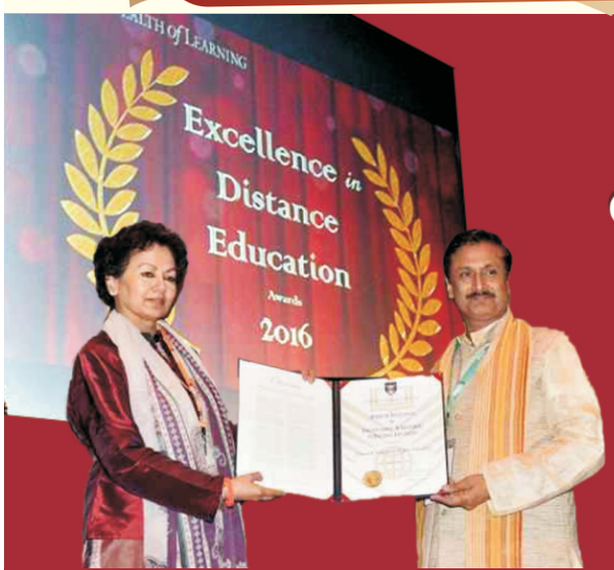

Commonwealth of Learning
Award of Excellence
for
Institutional Achievement
in Distance Education
PCF8 - 2016

आचार्य चन्द्र भूषण शर्मा, अध्यक्ष, एनआईओएस प्रोफेसर आशा कनवर, प्रेजीडेंट, कॉल से पुरस्कार प्राप्त करते हुए

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) : एक नज़र

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) पूर्व-स्नातक स्तर तक विभिन्न समूहों के शिक्षार्थियों की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह 1979 में एक परियोजना के रूप में आरंभ हुआ था। तत्पश्चात, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (मा.सं.वि.मं.), भारत सरकार ने नवंबर, 1989 में एक संकल्प के माध्यम से इसे राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय (एनओएस) के रूप में स्थापित किया। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय (एनओएस) को नामांकन करने, परीक्षा कराने तथा नामांकित शिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र देने के लिए अधिकृत किया गया है। जुलाई, 2002 में मा.सं.वि.मं. ने इसके नाम में संशोधन करते हुए इसका नाम राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान किया जिसका मिशन स्कूली स्तर पर, पूर्व स्नातक स्तर तक के शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा प्रदान करना है। आज यह भारत में शिक्षा की मान्यता प्राप्त विश्वसनीय प्रणाली है।

उद्देश्य

भारत सरकार और राज्यों को स्कूली स्तर पर मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का उपयुक्त विकास संबंधी परामर्श प्रदान करना।

आजीविका एवं जीवनपर्यंत शिक्षा के लिए पूर्व-स्नातक स्तर तक आवश्यकता आधारित शैक्षिक और व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करना।

शिक्षार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण मुक्त और दूरस्थ शिक्षा की पाठ्यचर्याओं, पाठ्यक्रमों संबंधी सामग्री के विकास में उत्कृष्टता प्राप्त करना।

पूर्व-स्नातक स्तर तक की शिक्षा में सहायता प्रदान करने के लिए प्रभावशाली शिक्षार्थी सहायता प्रणाली विकसित करने हेतु संस्थाओं को प्रत्यायित करना।

अनुसंधान और विकास की गतिविधियों द्वारा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाना।

नेटवर्किंग, सक्षमता निर्माण, संसाधनों की भागीदारी और गुणवत्ता सुनिश्चित करके राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मुक्त विद्यालयी शिक्षा का प्रसार करना।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) का संगठनात्मक ढाँचा

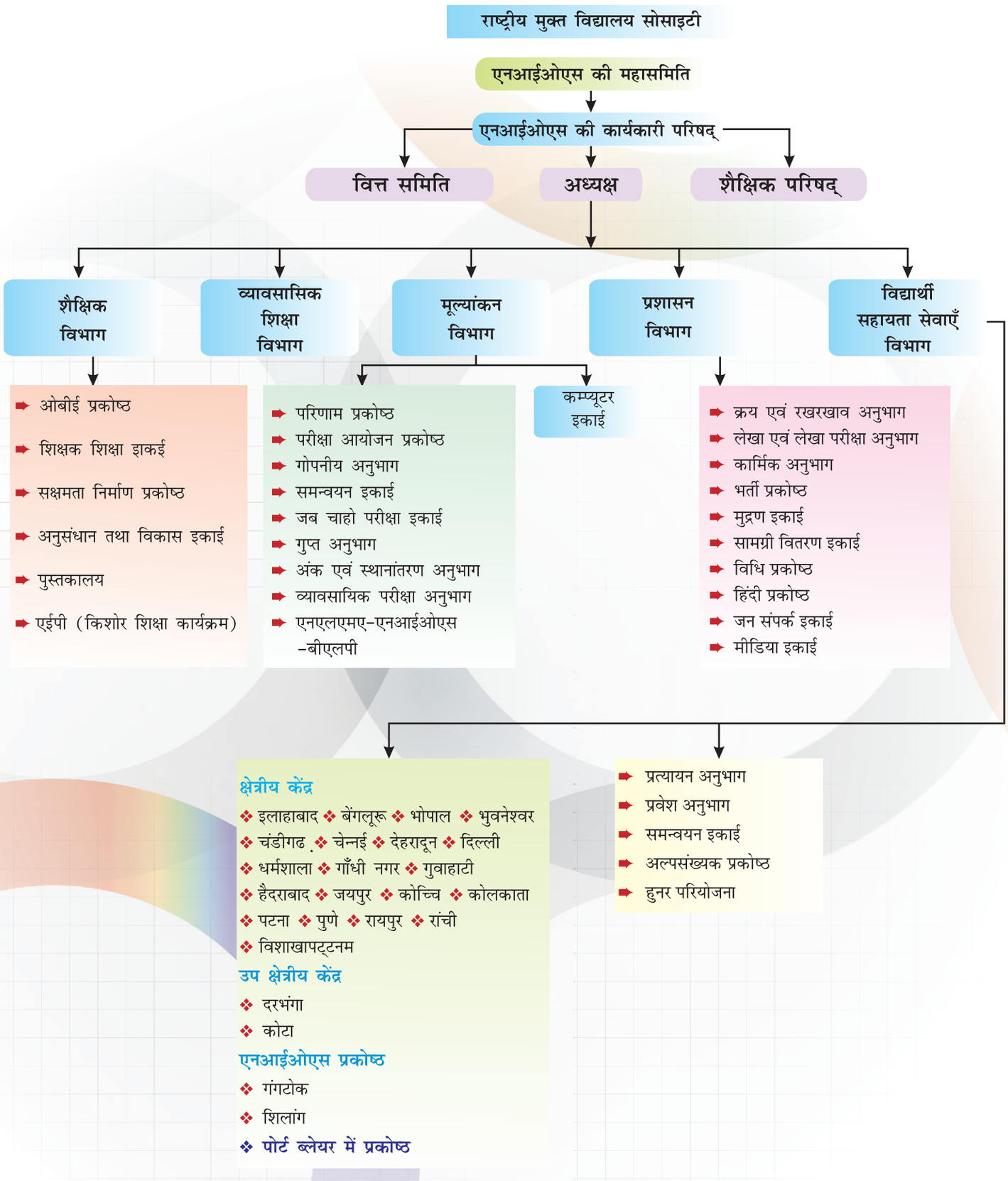

क्षेत्रीय केंद्र और उप-केंद्र

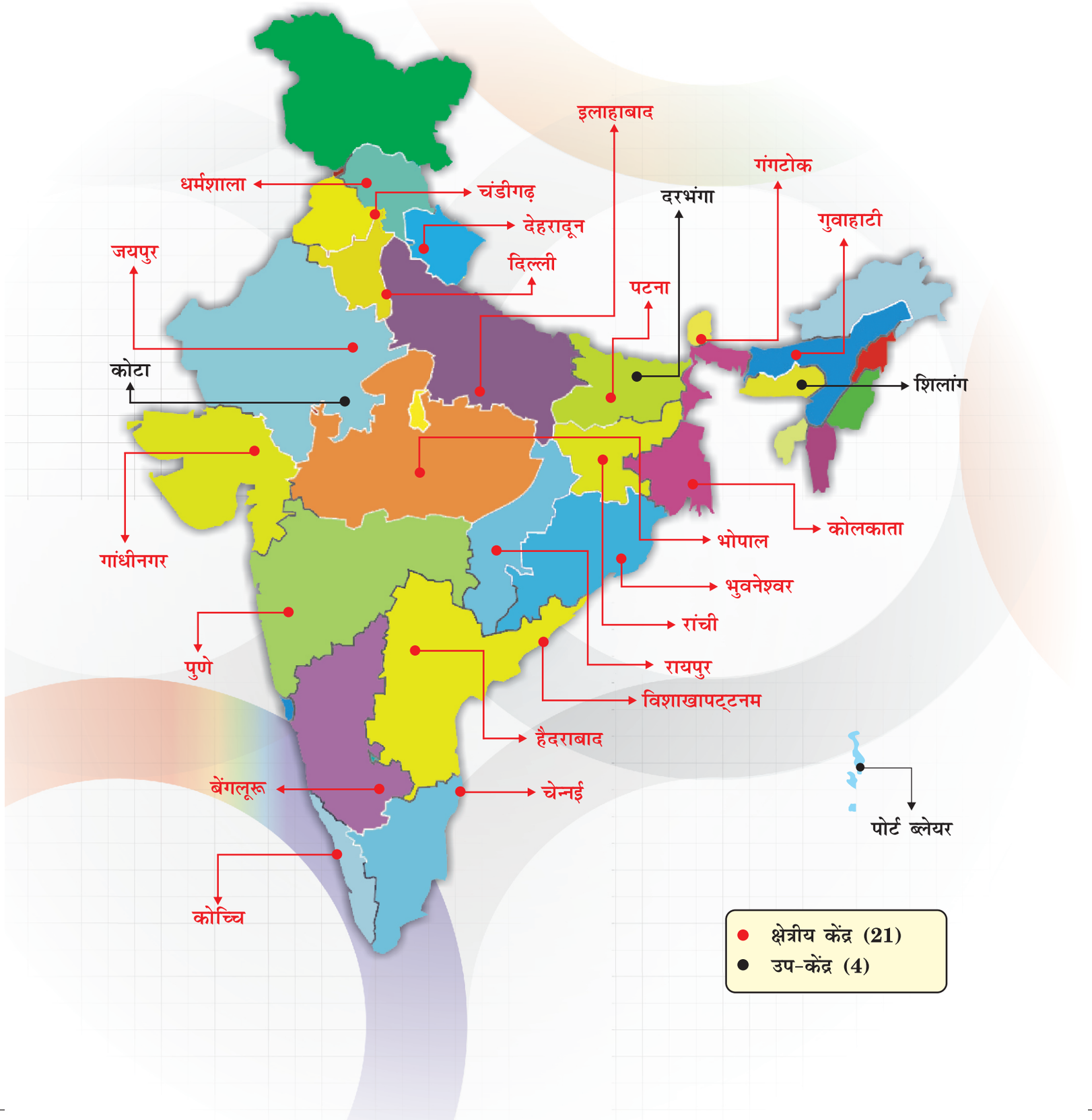

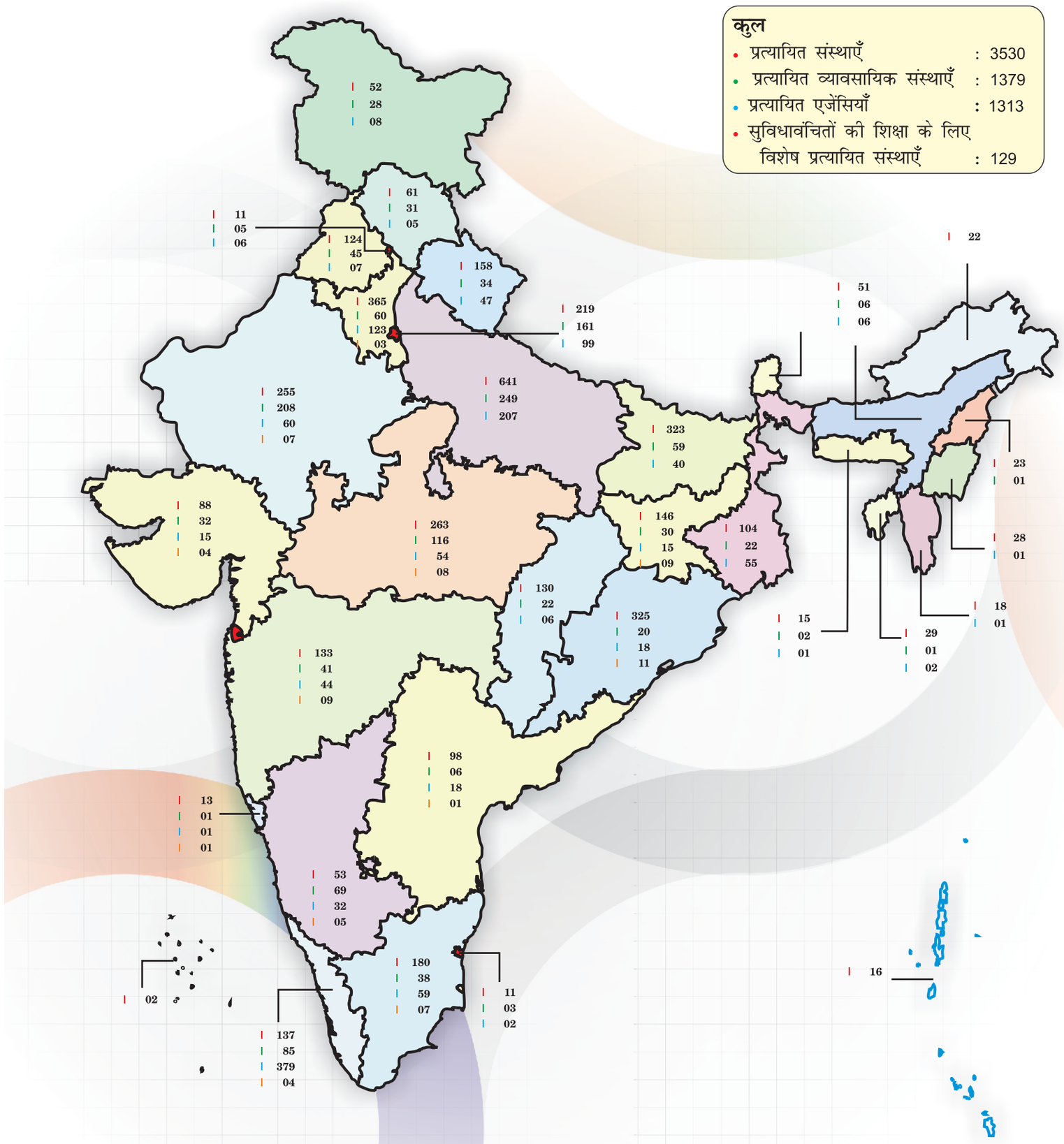

अध्ययन केंद्र

कुल

- प्रत्यायित संस्थाएँ : 3530
- प्रत्यायित व्यावसायिक संस्थाएँ : 1379
- प्रत्यायित एजेंसियाँ : 1313
- सुविधावंचितों की शिक्षा के लिए विशेष प्रत्यायित संस्थाएँ : 129

विदेश में अध्ययन केंद्र

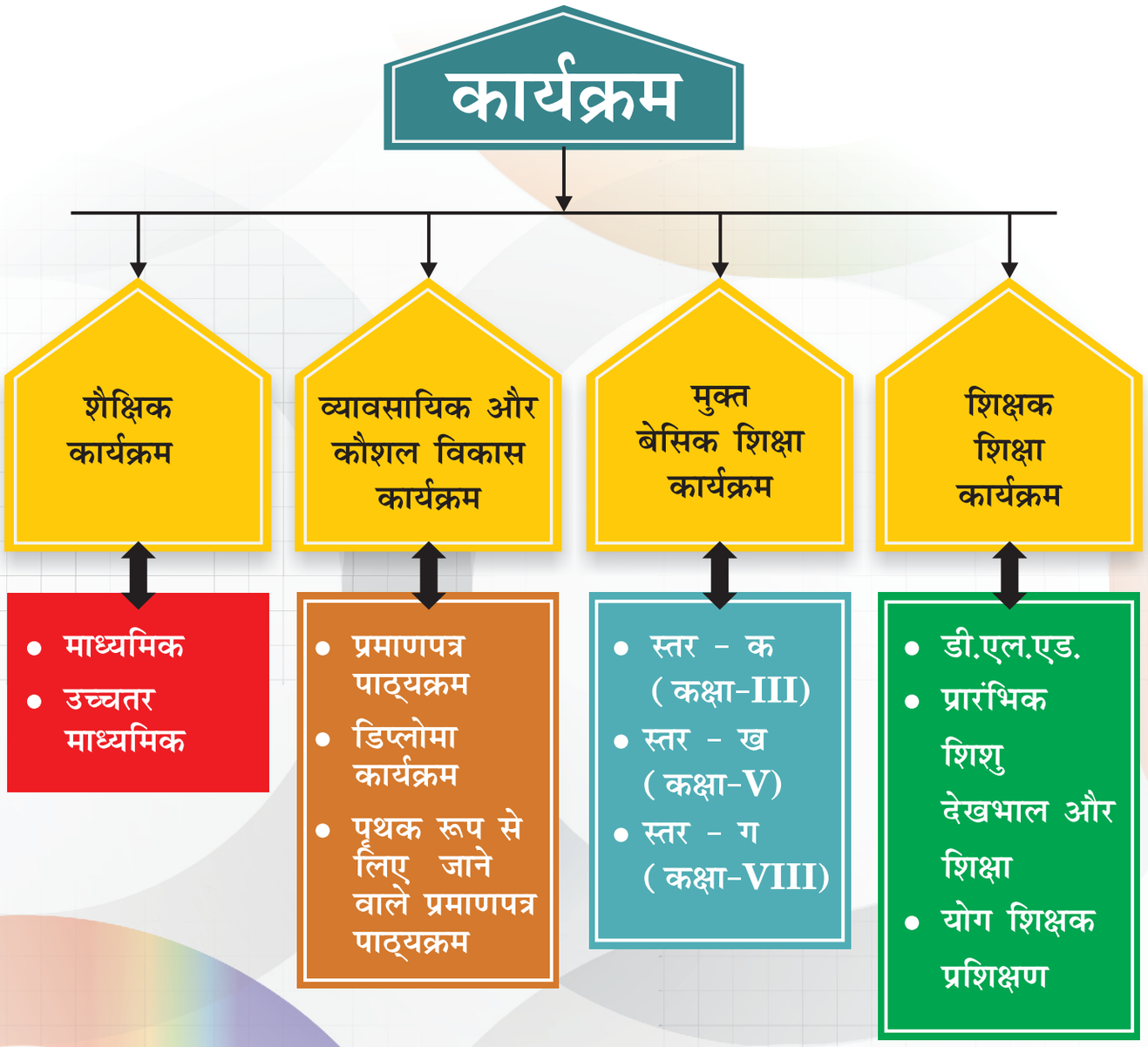
कार्यक्रम
शैक्षिक कार्यक्रम
व्यावसायिक और कौशल विकास कार्यक्रम
मुक्त बेसिक शिक्षा कार्यक्रम
शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम
• माध्यमिक
• उच्चतर माध्यमिक
• प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
• डिप्लोमा कार्यक्रम
• पृथक रूप से लिए जाने वाले प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
• स्तर - क (कक्षा-III)
• स्तर - ख (कक्षा-V)
• स्तर - ग (कक्षा-VIII)
• डी.एल.एड.
• प्रारंभिक शिशु देखभाल और शिक्षा
• योग शिक्षक प्रशिक्षण

सीखने की रणनीतियाँ

पाठ्यचर्या योजना निर्माण
सामग्री निर्माण
मूल्यांकन
प्रतिपुष्टि
आवश्यकता की पहचान
संपर्क सत्र
प्रयोगशाला के प्रयोग
श्रव्य माध्यमों पर प्रसारण
कम्युनिटी रेडियो और वेब रेडियो
मूक्स
दृश्य माध्यमों पर प्रसारण
टेली-कांफ्रेंस
मुद्रित सामग्री
मल्टीमीडिया अध्ययन सामग्री

एक नज़र में

एनआईओएस में नामांकन (2015-16)

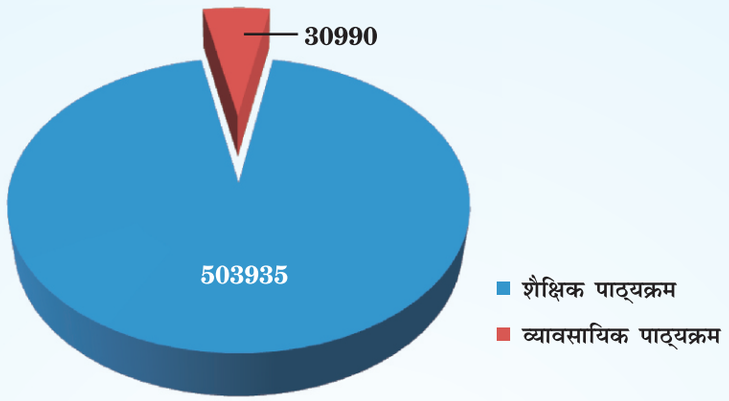

लिंगवार नामांकन (2015-16)

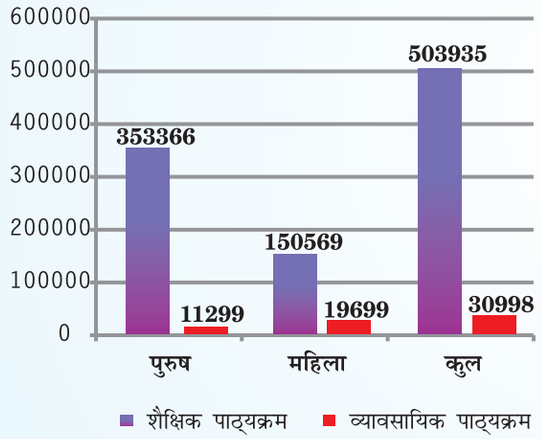

शैक्षिक पाठ्यक्रमों में लिंगवार नामांकन (2015-16)

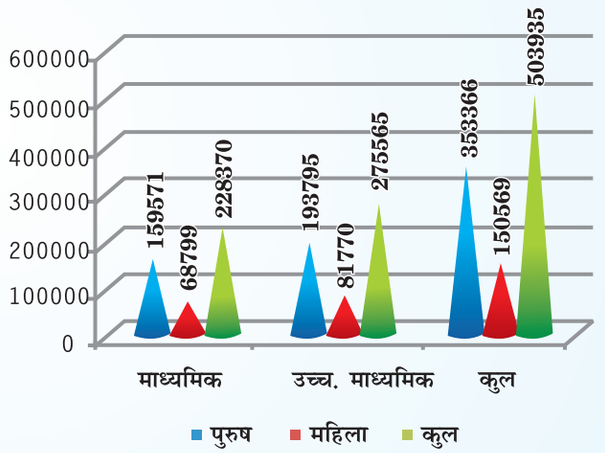

आयुवार शैक्षिक प्रवेश (2015-16)

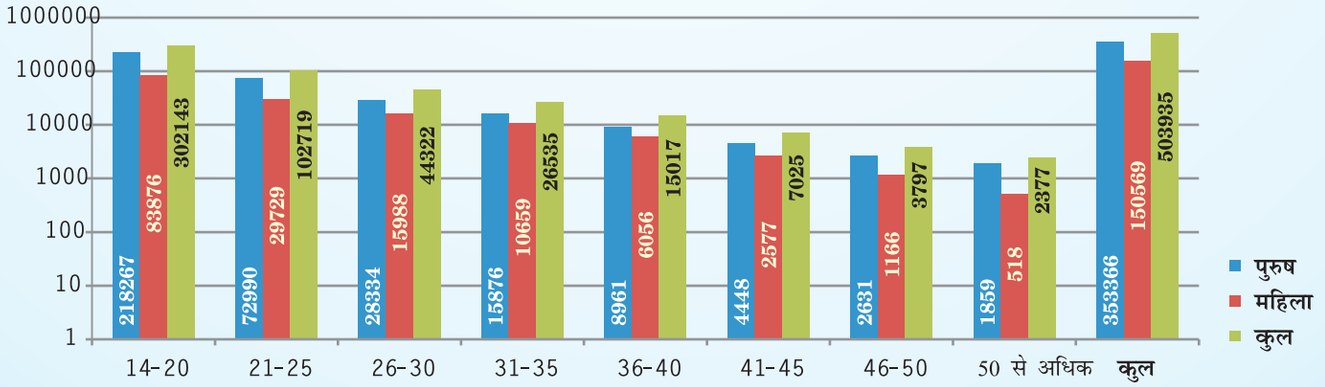

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में लिंगवार नामांकन (2015-16)

शिक्षार्थियों की संख्या

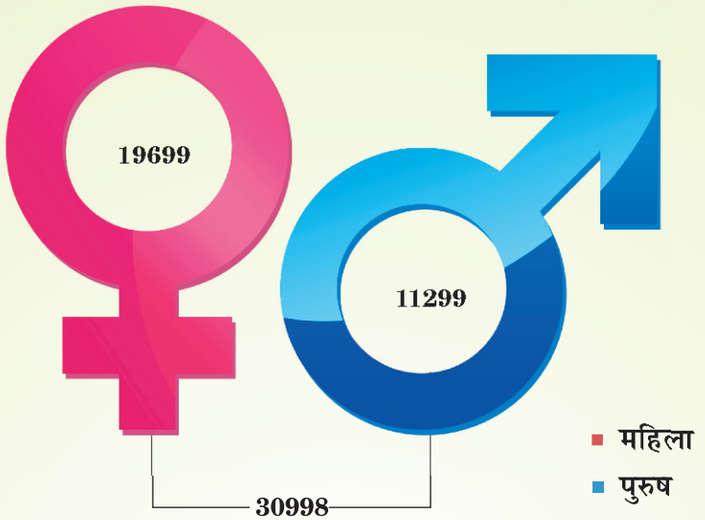

शैक्षिक पाठ्यक्रमों में माध्यमवार नामांकन (2015-16)

	हिंदी	अंग्रेजी	मराठी	तेलुगू	उर्दू	गुजराती	मलयालम	उड़िया	बांग्ला	कुल
नामांकन	291813	191917	2418	1379	2835	2318	4561	5511	1183	503935
%	57.9	38.08	0.48	0.28	0.57	0.47	0.9	1.09	0.23	100

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में माध्यमवार प्रवेश (2015-16)

शिक्षार्थियों की संख्या

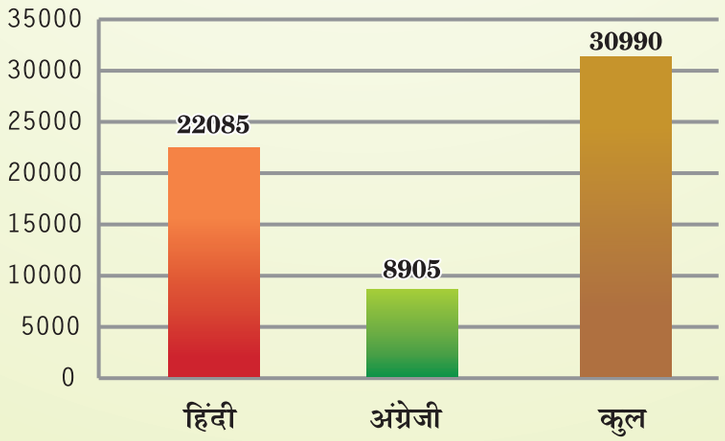

माध्यमिक पाठ्यक्रमों में अक्षमतानुसार नामांकन (2015-16)

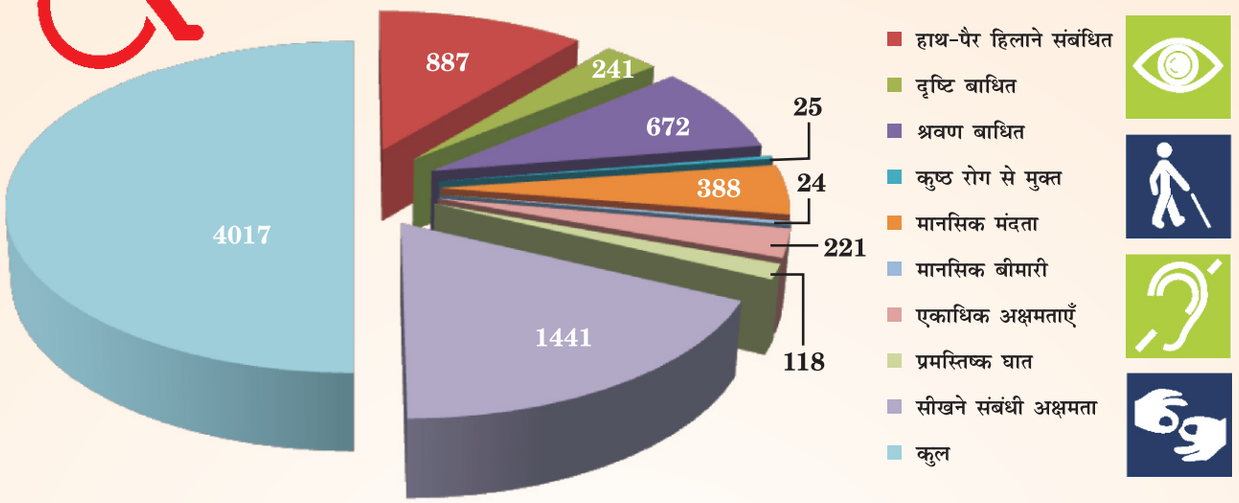

शैक्षिक पाठ्यक्रमों में परीक्षा और प्रमाणन (2016)

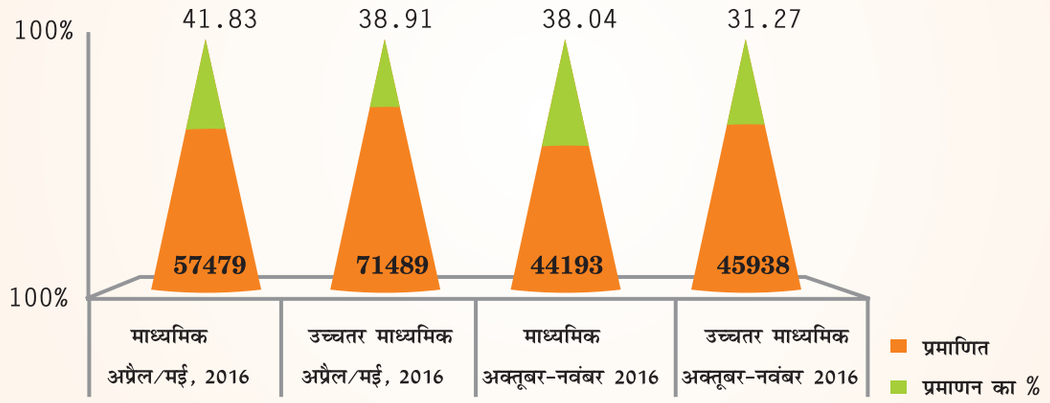

व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों में परीक्षा और प्रमाणन (2016)

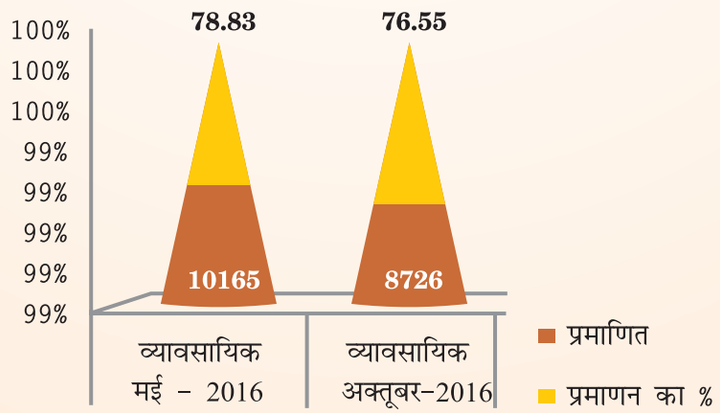

माध्यमिक पाठ्यक्रमों में लिंगवार प्रमाणन (2016)

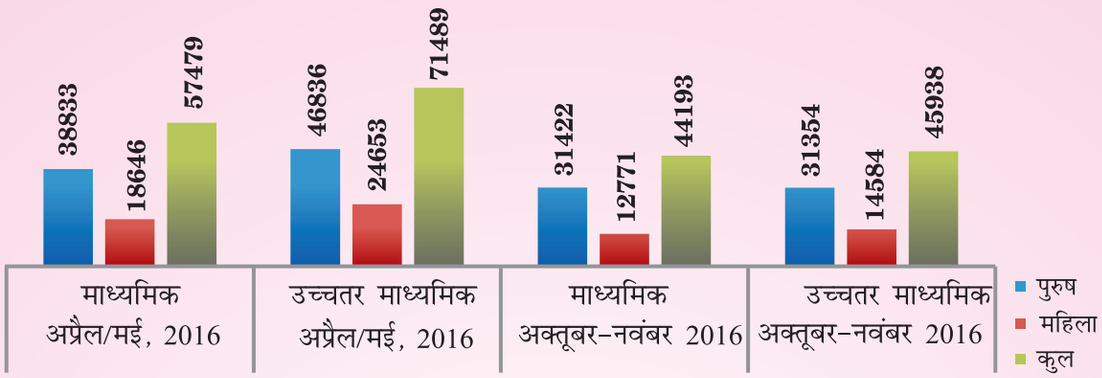

व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों में लिंगवार प्रमाणन (2016)

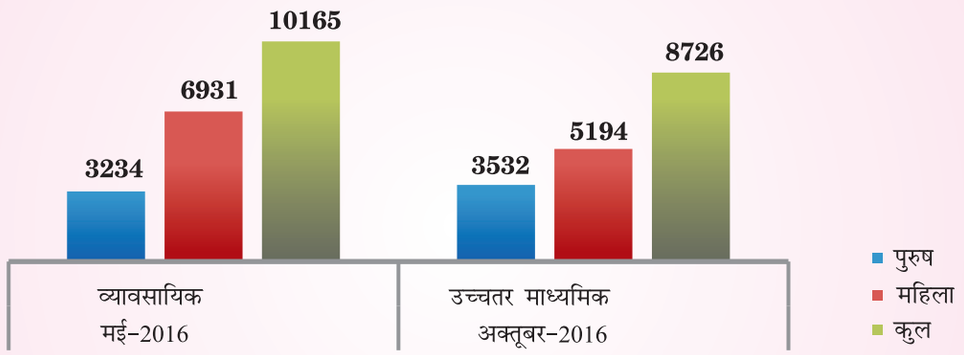

ओबीई पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रमाणित शिक्षार्थी

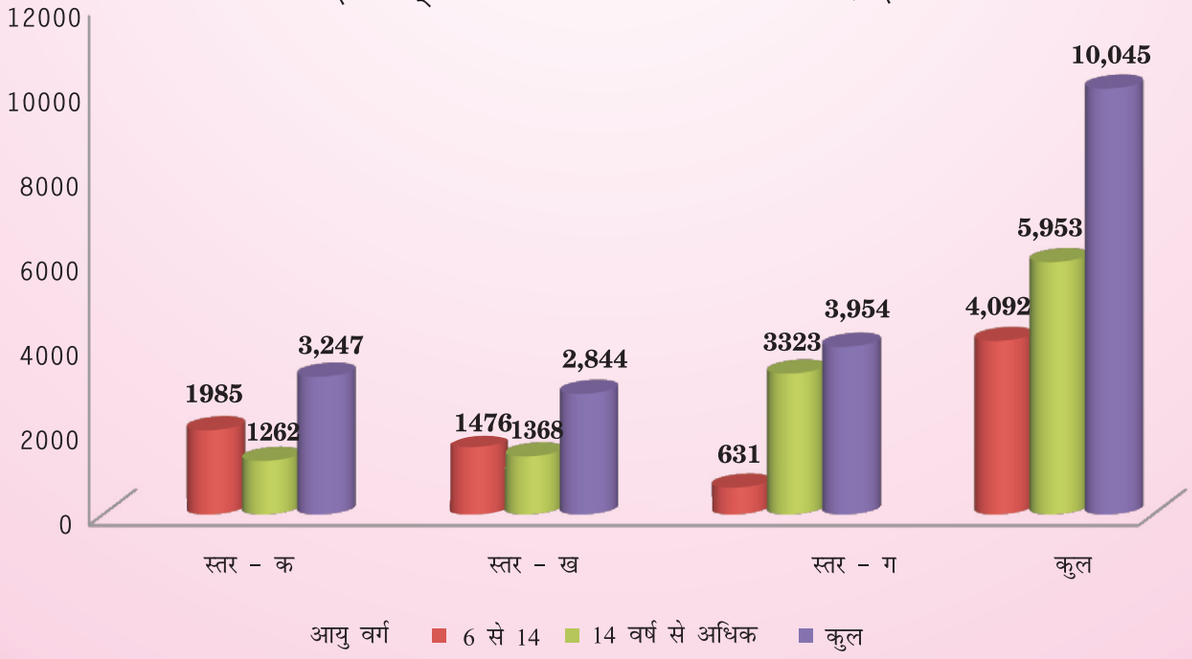

आईसीटी सुविधाएँ

- शिक्षार्थी सहायता केंद्र (एलएससी)
- एनआईओएस कनेक्ट एप
- ऑन लाइन प्रवेश
- जब चाहो तब परीक्षा
- डिजिटल साक्षरता मूल्यांकन
- ऑन लाइन शुल्क जमा
- डिजिटल निक्षेपागार
- मैसिक ओपन ऑन लाइन कोर्सेज (मूक्स)
- ऑन लाइन प्रत्यायन

मीडिया कार्यक्रम

- मुक्त विद्या वाणी
- कम्युनिटी रेडियो
- वीडियो अनुशिक्षण
- ऑडियो कार्यक्रम

व्यावसायिक कार्यक्रमों के लिए स्व-अध्ययन सामग्री

शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए स्व-अध्ययन सामग्री

अन्य प्रकाशन

- कोमोसा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका
- मुक्त शिक्षा पत्रिका
- एनआईओएस समाचार बुलेटिन

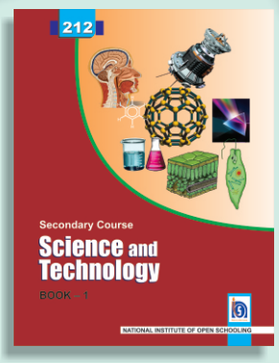

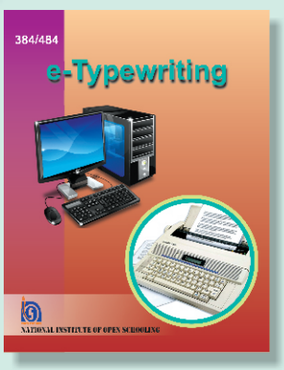

वर्ष 2016
में 5 लाख से अधिक
शिक्षार्थियों के लिए
200 शीर्षकों
की लगभग 60 लाख
इकाईयाँ प्रकाशित

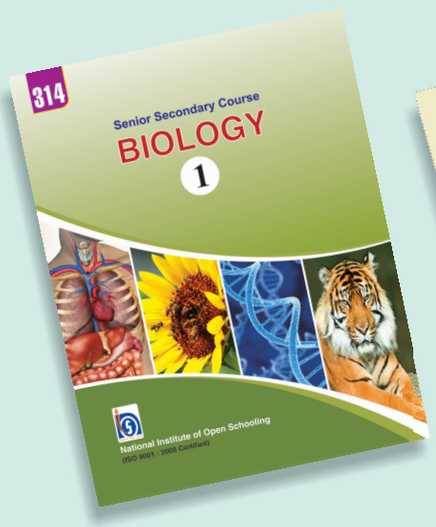

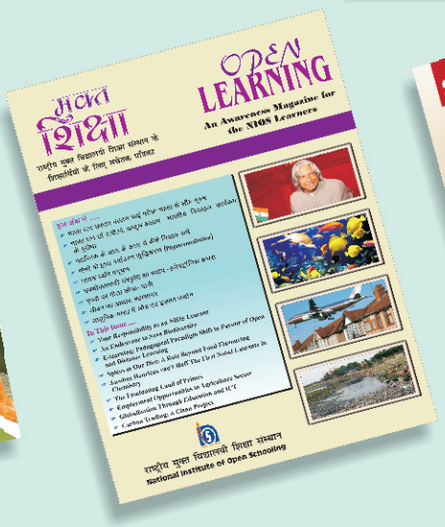

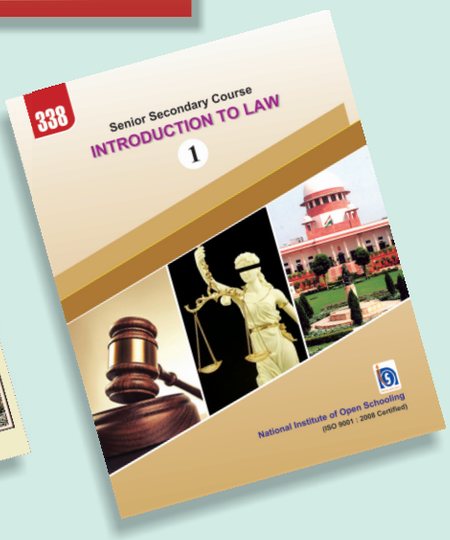

प्रकाशन

हम बड़ी प्रकाशक संस्थाओं में से एक हैं।

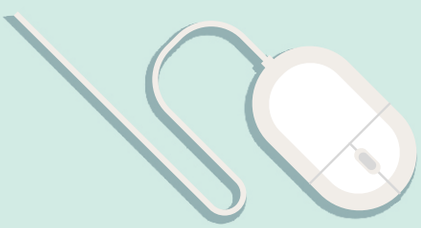

अनुसंधान और विकास

वर्ष 2016 में पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

01 राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के प्रसार, अवसर और उपयोगिता के परिप्रेक्ष्य में पूर्वी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक-शैक्षिक स्थिति का अध्ययन

02 एनआईओएस के माध्यमिक स्तर के बौद्धिक दृष्टि से अक्षम शिक्षार्थियों के 2डी और 3डी वर्चुअल शैक्षिक मॉड्यूल का प्रभाव।

03 कम्युनिटी रेडियो की पहुँच, प्रभावशीलता और श्रोताओं की प्रवृत्ति : एनआईओएस का एक फीडबैक सर्वेक्षण।

04 पहाड़ी क्षेत्रों में मुक्त विद्यालयी शिक्षा : इसकी पहुँच और प्रतिक्रियाशीलता का एक आलोचनात्मक विश्लेषण।

05 समाज के दरकिनार किए गए लोगों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने में मुक्त शिक्षा का प्रभाव।

सक्षमता निर्माण

- अध्ययन केंद्रों के समन्वयक
- अध्ययन केंद्रों के अनुशिक्षक
- शैक्षिक विशेषज्ञ
- एनआईओएस संकाय सदस्य
- राज्य मुक्त विद्यालय
- अन्य देशों में मुक्त विद्यालय

हमारे साथी

केंद्रीय विद्यालय
जब चाहो तब
परीक्षा के लिए

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
आशा परियोजना के लिए

रक्षा मंत्रालय
(सैना शैक्षिक कोर)
भारतीय सेना के दलों
की शैक्षिक योग्यता
बढ़ाने के लिए

फेडरेशन ऑफ कम्युनिटी रेडियो स्टेशन इन इंडिया
सीधे संपर्क सत्रों द्वारा
एनआईओएस शिक्षार्थियों तक
पहुँचने के लिए

भारतीय प्रशिक्षण महानिदेशालय
आईटीआई विद्यार्थियों की
10वीं और 12वीं की शैक्षिक
योग्यता के प्रमाणन के लिए

रामाकृष्ण मिशन और मठ
संस्कृत स्ट्रीम तैयार
करने के लिए

वस्त्र मंत्रालय
हथकरधा और हस्तशिल्प
कारीगरों तथा उनके
बच्चों की शिक्षा
के लिए

सामान्य सेवा केंद्र
एनआईओएस सहायता
केंद्र के लिए

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग
मुक्त विद्यालयी शिक्षा
कार्यकर्त्ताओं के प्रशिक्षण
के लिए

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि
किशोर शिक्षा कार्यक्रम
के लिए

आपके पास एनआईओएस चुनने का एक कारण होगा, आइए हम आपको 24 कारण बताएँ :

- कम खर्च में गुणात्मक शिक्षा
- 24x7 प्रवेश
- पंजीकरण 5 वर्षों तक मान्य
- कोई अधिकतम आयु की सीमा नहीं
- अपने घर के पास ही अध्ययन केंद्र चुनें
- कोई भी विषय चुनें
- अन्य बोर्डों से क्रेडिट स्थानांतरण
- क्रेडिट संचयन
- शैक्षिक और व्यावसायिक विषयों का एकीकरण
- विशेष आवश्यकताओं वाले शिक्षार्थियों के लिए विशेष प्रावधान
- अपनी गति से पढ़ने की स्वतंत्रता
- अपने घर पर सुविधाजनक समय पर पढ़ें
- पढ़ाई के बहुत से माध्यम
- स्व-अध्ययन सामग्री (एसएलएम)
- अध्ययन केंद्रों में प्रत्यक्ष संपर्क सत्र
- स्कूली स्तर पर मैसिव ओपन ऑन लाइन कोर्सेज़
- सीखने के लिए मल्टीमीडिया सहायता
- व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से कौशल विकास
- सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण पैकेज
- वर्ष में दो बार सार्वजनिक परीक्षाएँ
- अपनी पसंद के अनुसार परीक्षा
- संविधान में अनुसूचित किसी भी भाषा में परीक्षा दें
- वर्षभर जब चाहो तब परीक्षा
- मान्यताप्राप्त प्रमाणपत्र

विद्याधनम् सर्वधनं प्रधानम्

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
(मा.सं.वि.मं., भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था)
आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित

ए-24/25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201309
वेबसाइट : **www.nios.ac.in**
टॉल फ्री नं. : **18001809393**

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा प्रकाशित एवं मैसर्स सचदेवा प्रिंटिंग प्रेस द्वारा मुद्रित।